भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2864 का उत्तर

एबीएसएस के तहत हरदोई रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

2864. श्री जय प्रकाश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत हरदोई रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास के लिए चुना गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजना के लिए स्वीकृत निधि का ब्यौरा क्या है और पुनर्विकास कार्यों के मुख्य घटक क्या-क्या हैं;

(ग) पूर्ण किए गए कार्य के प्रतिशत और अब तक हुए व्यय सहित उक्त परियोजना की वर्तमान भौतिक और वित्तीय प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए निर्धारित मूल और संशोधित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है और देरी के कारण क्या हैं;

(ङ) क्या सरकार ने उक्त परियोजना के पूर्व में अनुमोदित मूल पुनर्विकास/डिजाइन योजना में संशोधन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) संशोधित परियोजना लागत, कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति और इसे पूरा किए जाने की संभावित तिथि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

उत्तर प्रदेश में स्थित हरदोई स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। हरदोई स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और 3 का प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने तथा सतह में सुधार तथा प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और 3 एवं 4 और 5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, शौचालय, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

मास्टर प्लानिंग एक पुनरावृत्त प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण और इस तरह के इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा और अन्य विवरणों की आवश्यकता होती है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से हरदोई स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनन्द नगर जंक्शन, अनोला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड़, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जं., लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) एनआर, लखनऊ सिटी, लखनऊ जं. (एनईआर), मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जं., मैलानी जं., मैनपुरी जं., मल्हौर, मानकनगर, मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा जं., मऊ जं., मेरठ सिटी जं., मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जं., मुज्जफरनगर, नगीना, नजीबाबाद जं., उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत जं., पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर जं., रेणुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, व्यासनगर, जाफराबाद

<u>उत्तर प्रदेश के वे स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं</u>:

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पूरे किये गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	38	ऐशबाग जंक्शन, अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावां, बहेरी, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, चुनार जंक्शन, डालीगंज, धामपुर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गौरीगंज, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, मोदीनगर, मोहनलालगंज, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, पुखरायां, प्रयाग जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन सलेमपुर, शामली, सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी, विंध्याचल

उत्तर प्रदेश के अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियां भी तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **हापुड़ स्टेशन: स्टेशन भवन के सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **कानपुर सेंट्रल स्टेशन: नए स्टेशन भवन, वाणिज्यिक भवन, शहर की ओर एवं कैंट की ओर विद्युत उपकेंद्र के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। नए स्टेशन भवन, वाणिज्यिक भवन, शहर और कैंट की ओर विद्युत उपकेंद्र को अंतिम रूप देने का कार्य, एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह और भूमिगत पार्किंग में सुधार का कार्य शुरू किया गया है।**

- **लखनऊ (चारबाग) उ.रे स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, 10 मीटर चौड़े पैदल पार पुल को अंतिम रूप देने का कार्य, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का विकास और मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य शुरू किया गया है।**

- **नगीना स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **प्रयागराज जंक्शन स्टेशन: सिविल लाइन्स की ओर से स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, रेल डाक सेवा भवन, पार्सल भवन, दो आगमन ब्लॉक, 2 विद्युत उपकेंद्र और सतह पार्किंग में सुधार पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, रेलवे डाक सेवा भवन, पार्सल भवन और विद्युत उपकेंद्र, शहर की ओर बेसमेंट पार्किंग, एयर कॉनकोर्स और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर को अंतिम रूप देने का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य स्टेशनों पर अपेक्षित विभिन्न यात्री सुविधाओं की आवश्यकता, व्यवहार्यता और अनुरक्षण कार्य की आवश्यकता के अनुसार, स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है।

इन जोनों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4,118 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 1,256 करोड़ रुपए का व्यय (जून, 2026 तक) उपगत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, इसलिए ब्राउनफील्ड संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि उपयोगी साधनों का स्थानांतरण (जिसमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री आवागमन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि और ये कारक कार्य की प्रगति और पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

****